ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४५
दिनांक- मंगलवार, २१ जून, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.8 एवं 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 68 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.5 एवं दोपहर में 37.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 2.8 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(22–26 जून, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22–26 जून, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। उत्तर बिहार के जिलों के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने का अनुमान है। अगले 24 जून के बाद वर्षा की सक्रियता में वृद्धि होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। धान की बीजस्थली में जो बिचड़े 10 से 15 दिनो के हो गये हो, खर–पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए 5 किलो एमोनियम सल्फेट अथवा 2 किलो यूरिया का उपरिवेषन मौसम साफ रहने पर करें।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं ऐसे किसान भाई खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई करें। यदि खेत सुखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सुखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के 48 घंटें के अन्दर खरपतवारनाषी दवा पेन्डिमेथीलीन 1.0 लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिष शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के 10–15 दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम 10ः एस0 सी0) दवा का 100 मि0 ली0 प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भुले।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे– कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा लगाने के मौसम अनुकुल है। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 20–25 टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर 60 किलो ग्राम नेत्रजन, 50 किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल 3 मी0 x 1 मी0 की दूरी पर लगायें। प्रति थाल 2–3 मी0 बीच पर बोयें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर तथा 20 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। पूर्वानुमानित अवधि में मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए बुआई में सावधानी बरतें।
- तिल एवं सुर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है।
- हल्दी की राजेन्द्र सोनिया,राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में की बुआई करें। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिंडी–1, काषी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का 2 से 2.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- इस माह में आम, लीची, आदि वृक्षें के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थिमेट दे कर ऊपर तक भरने का कार्य कर लें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 23.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी